



19

ईश्वर सब कुछ एह छः दिन मे बनवलन । तब ईश्वर सातवौं दिन के आशिश दिहलन आ एह दिन के आराम के दिन कहलन । इडन नामक बगिचा मे आदम आ हेवा उनकर औरत, ईश्वर के आज्ञा के पालन करते हुए पुरे खुशी से जीवन बितावे लगलन । ईश्वरे उन लोगन के मालिक, दाता आ उनकर मित्र रहलन ।

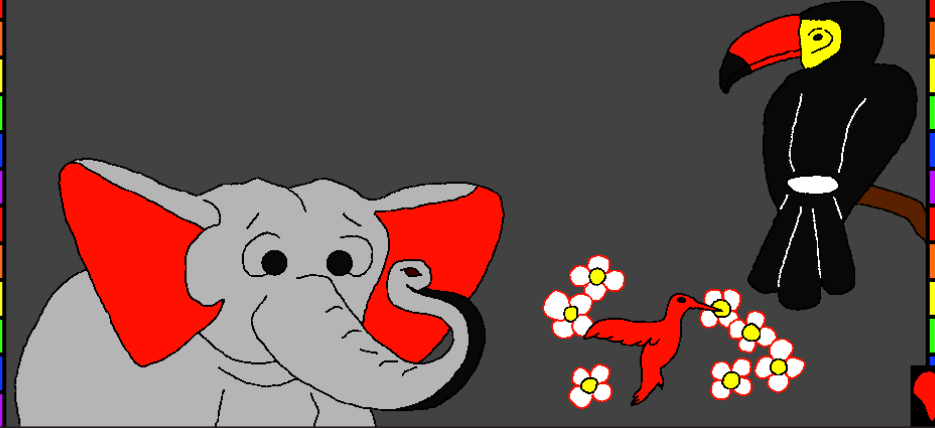
जब ईश्वर सबकुछ बनवलन

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से  
ई कहानी लोहल गइल बा

उत्पत्ति १-२

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"  
भजन संहिता 119:130

# जब ईश्वर सबकुछ बनवलन



लेखक Edward Hughes  
ब्याख्याकर Byron Unger; Lazarus

अनुवादक सुरेश मसीह  
अनुकूलित Bob Davies; Tammy S.

कहानी 1 से 60

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्र: आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप केहेलन । पाप के दण्ड मौत हा।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के घरती पर भेजलन कि उ कूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कही : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउअ । हमरा जीवन मे आ जाई अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि हमरा के नया जीवन मिल सकी । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !

सुरेश मसीह

Bhojpuri

हमनी के बनवलस ? ईश्वर के पबित्र वचन बाइबिल बतावेला कि मानव जाति के शुरुआत कैसे भइल ।



बहुत पहिले ईश्वर पहिला इंसान के बनवलन आ ओकर नाम आदम रखलन । ईश्वर घरती के धूल से आदम के बनवलन ।जब उ उनका मे सांस फूंकलनए आदम मे जान आ बइल । आदम अपना के इडेन नाम के एगो खूब सुन्दर बगीचा मे पवलन ।

1

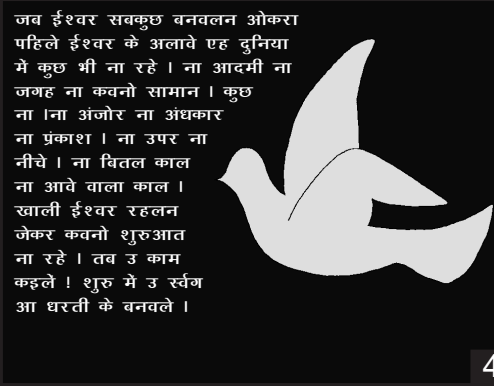
2



आदम के बनावे से पहिले उ खुबसुरत चीज से भरल सुन्दर संसार बनवलन । बारी बारी से उ पहाड़ी ईलाकाए सुन्दर घास के मैदानए गमकउवा फूलए उच्चा उच्चा पेड़ पौधाए चमकौवा पंख वाली घिरई चुरंग भनभनाये वाली मधुमक्खीए लोटेवाली हवेल मछली आ छलकउआ घोघा बनवलन । वास्तव मेए ईश्वर उ सबकुछ

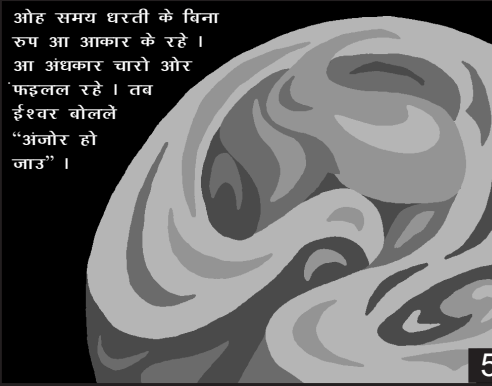
बनवलन जवन आज हमनी के बीच मे मौजूद बा ।

3



जव ईश्वर सबकुछ बनवलन ओकरा पहिले ईश्वर के अलावे एह दुनिया मे कुछ भी ना रहे । ना आदमी ना जगह ना कवनो सामान । कुछ ना ना अंजोर ना अंधकार ना प्रकाश । ना उपर ना नीचे । ना वितल काल ना आवे वाला काल । खाली ईश्वर रहलन जेकर कवनो शुरुआत ना रहे । तब उ काम कइले ! शुरु मे उ रत्नंग आ धरती के बनवले ।

4



ओह समय धरती के बिना रुप आ आकार के रहे । आ अंधकार चारो ओर फइलल रहे । तब ईश्वर बोलले "अंजोर हो जाउ" ।

5



आ अंजोर हो गइल । ईश्वर ओकरा के अंजोर के दिन कहलनआ अंधकार के रात कहलन । इ सुबह आ शाम भिला के पहिला दिन रहे ।

6



दूसरा दिने ईश्वर सब सागर समुन्द्र आ झील के पानी के एक साथ कइलन । तीसरा दिने ईश्वर कहलन प्सुखल जमीन दिखाई देउ आ ओसही भईल ।

7



ईश्वर घास फल फूल झाड़ी आ पेड़ पौधा सब के दिखाई देवे के कहलन आ उ सब दिखाई देवे लगलन । ई सुबह आ शाम भिलाके तीसरा दिन रहे ।

8



तब ईश्वर सुरज चन्द्रमा आ खुब ढेर तारा बनवलन जेकरा कोई गिन ना सकत रहे । ई सुबह आ शाम भिलाके चौथा दिन रहे ।

9



ईश्वर के अगिला सूची मे समुन्द्र के मछली आ जीव-जन्तु आ चिडिया रहलीन । पाँचवां दिन बडकी बडकी तेगा मछली आ छोटकी छोटकी सारडीन मछलीन के लम्बा लम्बा पैर वालीशुतुरमुर्ग के आहमेशा खुश रहेवाली आ गुनगुनाए वाली छोटी छोटी चिडियन के बनवलन ।

10



धरती के पानी के भरे खातीर ईश्वर हर प्रकार के मछलीन के बनवलन आ आकाश पताल आ समुन्द्र के मजा उठावे खातीर हर प्रकार के चिडियन के बनवलन । सुबह आ शाम भिलाके इ पाँचवां दिन रहे ।

11



ओकरा बाद ईश्वर बोललन । उ कहलन, "धरती जीवित जीव-जन्तु आ प्राणी से भर जाउ ..." हर प्रकार के जीव-जन्तु, क्रीडा-मकौडा आ रेंग के चलेवाला जीव पैदा होगइले ।

12



धरती के हिला देवेवाला हाथी, व्यस्त उदधिलाव, नटखट बन्दर, फूहड आ गन्दा घडियाल पैदा हो गइले । हिले डोले वाला क्रीडा, गिलहरी आ लमगोड गिराफ आ मन्दबुद्धि वाली विल्लीयों पैदा हो गई । ओह दिने ईश्वर हर प्रकार के जीव-जन्तु बनवलन । सुबह आ शाम भिला के इ छठवां दिन रहल ।

13



छठवां दिन ईश्वर कुछ हट के कइलन, बिल्कुल खास । अब सब कुछ मानव खातिर बन के तैयार हो गइल रहे । उनकां खातिर खेत मे भोजन रहे आ उनकर सेवा खातिर जानवर तैयार रहलन ।

14



आ तब ईश्वर कहलन, "अब चली, आ अपना रुप मे ईसान के बनावल जाउ । धरती पर जे कुछ भी बा ओकर मालिक बनाई ।" एही से ईश्वर मानव के अपना रुप मे बनवलन, अपना रुप मे ।

15



ईश्वर आदम से कहलन, "एह बगिचा से जे कुछ तु चाहताड, तु खा । बाकि अच्छा-बुरा के ज्ञान वाला पेड़ के फल मत खइह । यदि तु ओह पेड़ के फल खइह त, जरुरे तु मर जइव ।"

16



तब ईश्वर हमनी के मालिक कहलन, "इ बडिया बात नईखे कि ईसान अकेले रहो । हम इनकर सहायक बनाईव ।" ईश्वर सब चिडिया, जीव-जन्तु के आदम के आगे रखलन । आदम सबकर नाम रखलन । आदम एह काम मे जरुर खुब चालाक होइहन । बाकि ओह सब चिडिया आ जीव-जन्तु मे आदम ायक केहु ना रहे ।

17



तब ईश्वर आदम के खुब गहरी निन्द मे सुला दिहले । सुतल आदमी के देह से एगो पसली निकाल के, ओह पसली से ईश्वर हेवा के बनवलन । उ औरत जेकरा के ईश्वर बनवलन, सही मायने मे आदम के सहायक लायक रहलीन ।

18